# कर्मफलदाता शनिदेव

(कर्म, न्याय, अनुशासन और ज्योतिष विज्ञान)

मोहित धड़कर

# कर्मफलदाता शनिदेव

*(कर्म, न्याय,अनुशासन)*

**India | Australia**
**www.bharatglobalpublications.com**
**info@bharatglobalpublications.com**

# कर्मफलदाता शनिदेव

## (कर्म, न्याय,अनुशासन)

*Authored By:*

**मोहित धड़कर**

Copyright 2025 by मोहित धड़कर

First Impression: July 2025

# कर्मफलदाता शनिदेव (कर्म, न्याय,अनुशासन)

**ISBN: 978-93-49554-88-7**

**Rs. 299/- ($80)**

No part of the book may be printed, copied, stored, retrieved, duplicated and reproduced in any form without the written permission of the editor/publisher.

**DISCLAIMER**

Information contained in this book has been published by Bharat Global Publications and has been obtained by the author from sources believed to be reliable and correct to the best of their knowledge. The author are solely responsible for the contents of the articles compiled in this book. Responsibility of authenticity of the work or the concepts/views presented by the author through this book shall lie with the author and the publisher has no role or claim or any responsibility in this regard. Errors, if any, are purely unintentional and readers are requested to communicate such error to the author to avoid discrepancies in future.

**Published by:**

**Bharat Global Publications**

**श्री गणेशाय नमः**

ब्रह्मा मुरारिः त्रिपुरांतकारी

भानुः शशि भूमिसुतो बुधश्च ।

गुरुश्च शुक्रः शनिराहुकेतवः

सर्वे ग्रहा शान्तिकराः भवन्तु ॥

**पंचदेवों का आशीर्वाद**

ॐ ब्रह्मणे नमः — ज्ञान का सागर, सृजन के मूल ब्रह्मा जी

ॐ विष्णवे नमः — सृष्टि के पालनकर्ता, संतुलन का प्रतीक विष्णु जी

ॐ शिवाय नमः — संहार और कल्याण के अधिपति शिवजी

ॐ गणेशाय नमः — विघ्नहर्ता, शुभारंभ के देव गणेशजी

ॐ सूर्याय नमः — आत्मा और तेजस्विता के दाता सूर्यदेव

इन पंचदेवों की कृपा से यह ग्रंथ "**कर्मफलदाता शनिदेव**" समस्त पाठकों के जीवन में प्रकाश, न्याय और चेतना का संचार करे।

**॥ जय शनिदेव ॥**

# ॐ ह्रीं क्रीं सप्तशृंगी देव्यै नमः

ॐ क्रीं कालिकायै नमः

# ॐ भैरवाय नमः

# भूमिका

इस पुस्तक को लिखने का उद्देश्य केवल ज्योतिषीय जानकारी देना नहीं, बल्कि पाठकों को जीवन की उन आध्यात्मिक कसौटियों से परिचित कराना है जिनसे होकर आत्मा स्वयं को परिष्कृत करती है। शनि देव को अक्सर डर, दुर्भाग्य और पीड़ा से जोड़ा जाता है, परंतु इस पुस्तक में लेखक ने शनि की *न्यायप्रियता, विनम्रता की परीक्षा, तप और साधना की महिमा,* और *आध्यात्मिक उन्नति* पर उनका सकारात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट किया है।

शनि का प्रभाव जीवन में धीमा और गंभीर होता है, परंतु उसी गहराई में व्यक्ति को *असली आत्मा* का बोध होता है। यह पुस्तक शनि से डरने नहीं, उन्हें समझने और साधना के माध्यम से आत्मबोध की ओर बढ़ने का मार्गदर्शन करती है।

लेखक ने वैदिक और तांत्रिक संदर्भों, लाल किताब के विश्लेषणों और मनोविज्ञान के माध्यम से यह दिखाया है कि शनि केवल ग्रह नहीं, *एक अध्यापक* हैं जो आत्मा को मोक्ष की ओर ले जाते हैं।

# आभार

इस पुस्तक की रचना केवल मेरे व्यक्तिगत प्रयास का परिणाम नहीं, बल्कि उन अनेक गुरुओं, संतों, ज्योतिषाचार्यों और आध्यात्मिक साधकों की प्रेरणा और मार्गदर्शन का प्रतिफल है, जिन्होंने मुझे शनि देव की गहराइयों को समझने में सहायता की।

मैं विशेष रूप से *स्कंद पुराण, लाल किताब, नवग्रह स्तोत्र* और *भारतीय लोक परंपराओं* का आभार प्रकट करता हूँ, जिनसे प्राप्त सामग्री ने इस पुस्तक को प्रामाणिकता और आध्यात्मिक ऊँचाई दी।

मैं अपने परिवार, गुरुजनों और मित्रों का भी हृदय से धन्यवाद करता हूँ, जिनकी श्रद्धा और सुझावों ने इस रचना को आकार दिया। विशेष रूप से उन पाठकों को भी आभार जिनकी जिज्ञासा और खोज ने मुझे यह पुस्तक लिखने के लिए प्रेरित किया।

अंत में, शनि देव को मेरा शत-शत नमन – जिन्होंने मुझे न केवल जीवन के कठिन पलों में सहारा दिया, बल्कि मेरे भीतर आत्मनिरीक्षण, मौन और विनम्रता की भावना जाग्रत की। यही उनके प्रति मेरी सच्ची श्रद्धांजलि है।

## क्षमा प्रार्थना

पुस्तक में दिए गये सभी पाठ यथासम्भव शुद्ध छापने का पूरा प्रयास किया गया है। फिर भी किसी पाठक को कोई त्रुटि दिखाई दे तो वह सूचित करें, हम नए संस्करण में भूल सुधार देंगे।

– प्रकाशक, मुद्रक, संग्राहक

# विषय-सूची


| क्र. | शीर्षक | पृष्ठ |
|---|---|---|
| **शनिदेव: परिचय और दर्शन** | | 1 – 19 |
| 1. | श्री शनिदेव परिचय | 1 - 5 |
| 2. | शनिदेव का जन्म | 6 – 7 |
| 3. | शनिदेव और कर्म का रहस्य | 8 – 11 |
| 4. | शनि ग्रह और मनोविज्ञान | 12 – 14 |
| 5. | शनिदेव और अध्यात्म | 15 – 17 |
| 6. | शनिदेव और मृत्यु का रहस्य | 18 – 19 |
| **शनिदेव: ज्योतिषीय दृष्टिकोण** | | 20 – 61 |
| 1. | शनि और पुनर्जन्म | 21 – 24 |
| 2. | साढ़ेसाती और ढैय्या | 25 – 27 |
| 3. | कुंडली के 12 भावों में शनि और लालकिताब की दृष्टि से व्याख्या, फल एवं उपाय | 28 – 51 |
| 4. | शनिदेव को तेल अर्पण क्यों? | 52 – 54 |
| 5. | शनिदेव और राहु - केतु | 55 – 57 |
| 6. | शनि और शुक्र | 58 – 61 |

| | | |
|---|---|---|
| **शनिदेव: पौराणिक प्रसंग और लोककथाएं** | | 62 – 72 |
| 1. | शनिदेव और श्रीकृष्ण | 63 – 64 |
| 2. | पिप्पलाद ऋषि और शनिदेव की कथा | 65 |
| 3. | शनिदेव और राजा हरिश्चंद्र | 66 – 67 |
| 4. | राजा दशरथ और शनि देव – एक दिव्य संवाद | 68 – 69 |
| 5. | शनिदेव और राजा विक्रमादित्य | 70 – 72 |
| **शनिदेव = स्तुति, स्तोत्र, साधना और आराधना** | | 73 – 115 |
| 1. | दशरथ कृत शनि स्तोत्र | 74 – 76 |
| 2. | पिप्पलाद ऋषि-कृत शनि स्तोत्र | 77 – 79 |
| 3. | शनि स्तुति: श्रद्धा, संरक्षण और शक्ति का मंत्र | 80 – 83 |
| 4. | शनिदेव पत्नी नाम स्तुति | 84 – 86 |
| 5. | शनि साधना - मंत्र - ध्यान | 87 – 90 |
| 6. | शनि यंत्र | 91 – 95 |
| 7. | शनि चालिसा – 1 | 96 – 100 |
| 8. | शनि चालिसा – 2 | 101 – 105 |
| 9. | शनिदेव की आरती – 1 | 106 – 107 |
| 10. | शनिदेव की आरती – 2 | 108 – 110 |
| 11. | शनिदेव के 108 नाम | 111 – 115 |

# लेखक परिचय

**मोहित धड़कर** एक सामान्य परिवार से निकलकर अपने आत्मविश्वास, अनुशासन और मेहनत के बल पर खुद को स्थापित करने वाले प्रेरणादायक युवा हैं। पेशे से फिटनेस ट्रेनर होने के साथ-साथ वे ज्योतिष, आयुर्वेद, लाल किताब, अंकशास्त्र, वास्तु और क्रिस्टल ऊर्जा जैसे विषयों में भी गहरी समझ और अध्ययन रखते हैं।

इन्होंने B.Com, B.P.Ed और ज्योतिष में M.A. किया है। सीमित संसाधनों में जीवन को साधकर, अब वे धर्म, ज्योतिष और आध्यात्मिकता के माध्यम से लोगों को सही दिशा देने का कार्य कर रहे हैं।

**पुस्तक के बारे में**

"श्री शनिदेव: न्याय, तप और सत्य का प्रतीक"
यह पुस्तक श्री शनिदेव के जीवन, उनके जन्म, संघर्ष, तपस्या और न्यायपूर्ण स्वरूप को गहराई से प्रस्तुत करती है। इसमें शनि से जुड़ी पौराणिक कथाएँ, ज्योतिषीय प्रभाव, भ्रांतियाँ और उनके पीछे की सच्चाईयों का संतुलित और शोधपूर्ण वर्णन है।

पुस्तक में शनि के श्रीकृष्ण, राजा विक्रमादित्य और राजा हरिश्चंद्र जैसे पात्रों से संबंध को लोकश्रुतियों व परंपराओं के माध्यम से बताया गया है। यह पुस्तक केवल श्रद्धा का विषय नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और जीवन पथ पर मार्गदर्शन देने वाली एक जीवंत रचना है।

karmalogy360@gmail.com

Connect on Instagram

Connect on WhatsApp

Scan Here

India | Australia

@bharatglobalpublications

@bharatglobalpublications

www.bharatglobalpublications.com

info@bharatglobalpublications.com

BHARAT GLOBAL Publications

ISBN 978-93-49554-88-7

₹ 299/- inclusive of all taxes